भाषा विज्ञान के अंग

डॉ.पूजा(स.आ.)

हिंदी विभाग

जैन कन्या पाठशाला (पी.जी.) कॉलेज मुजफ्फरनगर (उ.प्र.)

- भाषा से मुख्य रूप से चार तत्वों का बोध होता है , ध्वनि, शब्द पद, वाक्य और अर्थ।भाषा के इन्हीं चार तत्वों के आधार पर भाषा विज्ञान के चार प्रमुख अंग माने जाते हैं, जो इस प्रकार है –
- ध्वनि –विज्ञान
- पद- विज्ञान
- वाक्य -विज्ञान
- अर्थ –विज्ञान
- **ध्वनि- विज्ञान**
- ध्वनि विज्ञान भाषा विज्ञान का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है। अंग्रेजी में इसे फोनोलॉजी अथवा फोनेटिक्स कहते हैं। ध्वनि विज्ञान में ध्वनि, ध्वनि की उत्पत्ति, ध्वनि का संप्रेषण, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि नियम इत्यादि का अध्ययन किया जाता है।

पद -विज्ञान

- पद विज्ञान को रूप विज्ञान और अंग्रेजी में मार्फोलोजी कहते हैं। पादप विज्ञान में पद, शब्द पद में अंतर, पद विभाग, व्याकरणिक कोटिया, रूप परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं, वापिन इत्यादि का अध्ययन विश्लेषण किया जाता है।
- **वाक्य -विज्ञान**
- वाक्य विज्ञान भाषा विज्ञान का महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य अंग है। वाक्य विज्ञान को तीन भागों में विभक्त किया गया है-
- १-वर्णनात्मक वाक्य विज्ञान का अध्ययन
- २-ऐतिहासिक वाक्य विज्ञान
- ३-तुलनात्मक वाक्य विज्ञान

अर्थ -विज्ञान

- ध्वनि विज्ञान, पादप विज्ञान और वाक्य विज्ञान भाषा के शरीर हैं तो अर्थ विज्ञान भाषा की आत्मा है। ध्वनि, पद, वाक्य भाषा के वाह्य पक्ष है जबकि अर्थ भाषा का आंतरिक पक्ष है, जिसके द्वारा भाषा की प्रयोजनीयता सिद्ध होती है।
- भाषा विज्ञान के उपर्युक्त प्रमुख अंगों के अतिरिक्त भाषा विज्ञान के कुछ आओ गौरंग भी है जिनमें निम्न उल्लेखनीय है-
- **(क) कोश -विज्ञान**
- **(ख) भाषिक भूगोल**
- **(ग) ध्वनि ग्राम- विज्ञान**
- **(घ) रूप ग्राम- विज्ञान**
- **(ङ) शब्द- विज्ञान**
- **(च) शैली- विज्ञान**
- **(छ) लिपि- विज्ञान**

- उपर्युक्त प्रमुख एवं गुण अंगों के अलावा भी भाषा विज्ञान से संबद्ध अनेक विषय है, जिनका अध्ययन भाषा विज्ञान में होता है।–
- भाषा की उत्पत्ति
- भाषाओं का वर्गीकरण
- भू भाषा विज्ञान
- समाज भाषा विज्ञान
- भाषिक पुनर्निर्माण इत्यादि उल्लेखनीय है।

- कपिल देव द्विवेदी ने इन्हें भाषा विज्ञान के उपांग की संज्ञा दी है वस्तुतः भाषा विज्ञान के यह उपांग अभी से शैशवास्था में है, जिन का विवेचन एवं वैज्ञानिक अध्ययन अपेक्षित है।